आधुनिक इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन

यूरोपीय व्यापारियों/ कंपनियों का आगमन क्रम	
पुर्तगीज (पुर्तगाली)	1498 ई.
डच (हालैण्ड)	1605 ई
ब्रिटिश/ अंग्रेज (इग्लैंड)	1608 ई.
डेनिश (डेनमार्क)	1620 ई.
फ्रांसीसी (फ्रांस)	1668 ई.
स्वीडिश (स्वीडन)	—

Note: पुर्तगीज कंपनी सर्वप्रथम (1498 ई.) भारत में आयी तथा सबसे अंत में (1961 ई.) गयी।

विदेशी कंपनियों का स्थापना क्रम

कंपनी का नाम	देश	स्थापना	भारत में प्रथम फैक्ट्री
पुर्तगाली ईस्ट इण्डिया कंपनी (एस्तादो द इण्डिया)	पुर्तगाल	1498 ई.	कोचीन (कोच्चि) (1503 ई.)
अंग्रेजी ईस्ट इण्डिया कंपनी (E.E.I.C) (द गवर्नर एण्ड कंपनी ऑफ मर्चेन्टस ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज)	इंग्लैण्ड/ ब्रिटेन	1600 ई.	सूरत (1613 ई.)
डच ईस्ट इण्डिया कंपनी (वेरेनिगदे ओस्टइंडिशे कंपनी)	हालैण्ड (वर्तमान-नीदर लैण्ड)	1602 ई.	मसुलीपट्टनम (1620 ई.)
डेनिश ईस्ट इण्डिया कंपनी	डेनमार्क	1616 ई.	त्रॅकोबार (त्रावणकोर) 1620 ई.)
फ्रांसीसी ईस्ट इण्डिया कंपनी (कंपनी देस इंडेस ओरियंटलेस)	फ्रांस	1664 ई.	सूरत (1668 ई.)
स्वीडिश ईस्ट इण्डिया कंपनी	स्वीडन	1731 ई.	चीन में अपना केन्द्र बनाया

पुर्तगाली–

- प्रथम पुर्तगाली एवं प्रथम यूरोपीय यात्री "वास्कोडिगामा" मई, 1498 ई. में अहमद इब्न मजीद नामक गुजराती पथ प्रर्दशक की सहायता से कालीकट (केरल) नामक बन्दरगाह पर पहुँचा।
- 1505 ई. में फ्रांसिस्को डी अल्मीडा भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय बन कर आया।
- 1510 ई. में अल्बुकर्क ने बीजापुर के शासक 'युसुफ आदिलशाह' से गोवा छीन लिया।

फ्रांसीसी –

- 1664 ई. में फ्रांसीसी कंपनी की स्थापना मंत्री कॉल्बर्ट के प्रयासों से फ्रांस के सम्राट लुई 14वाँ के शासनकाल में हुई।
- फ्रेंच ईस्ट इण्डिया कम्पनी को 'कम्पने देस इण्दसे ओरियंटलेस' नाम से जाना गया।
- फ्रांसीसियों का प्रथम फ्रांसीसी गवर्नर फ्रैंको मार्टिन था।
- 1673 ई. में फ्रांसीसी कम्पनी के गवर्नर फ्रेंक मार्टिन ने वेलिकोण्डपुरम् के सूबेदार शेरखाँ लोदी से पुदुचेरी नामक एक गाँव प्राप्त किया, जिसे कालान्तर में पाण्डिचेरी कहा गया।
- वाण्डीवाश के युद्ध (1760 ई.) में अंग्रेज सेनापति जनरल आयरकूट ने फ्रांसीसियों को पराजित किया
- कर्नाटक का युद्ध अंग्रेज एवं फ्रांसीसियों के मध्य लड़ा गया था।

अंग्रेज –

- 1599 ई. में स्थल मार्ग से भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज जॉन मिल्डेन हॉल था।
- 31 दिसम्बर 1600 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने "द गवर्नर एण्ड कंपनी ऑफ मर्चेन्ट ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज" को पूर्व से व्यापार हेतु 15 वर्षों के लिए व्यापारिक अधिकार प्रदान किया। 1609 ई. में जेम्स प्रथम ने इसे अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया।
- 1608 ई. में ब्रिटेन के राजा जेम्स प्रथम के दूत के रूप में कैप्टन हॉकिन्स सम्राट अकबर के नाम पत्र लेकर जहाँगीर के दरबार आगरा पहुँचा।
- 1615 ई. में टॉमस रो ब्रिटेन के राजदूत के रूप में जहाँगीर के दरबार में पहुँचा।
- 1661 ई. में इंग्लैण्ड के सम्राट चार्ल्स द्वितीय का विवाह पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन से हुआ, फलस्वरूप चार्ल्स को बम्बई उपहार के रूप में प्राप्त हुआ।
- ईस्ट इण्डिया कंपनी ने 1668 ई. में 10 पाउंड प्रतिवर्ष के किराये पर चार्ल्स द्वितीय से बम्बई को प्राप्त किया।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

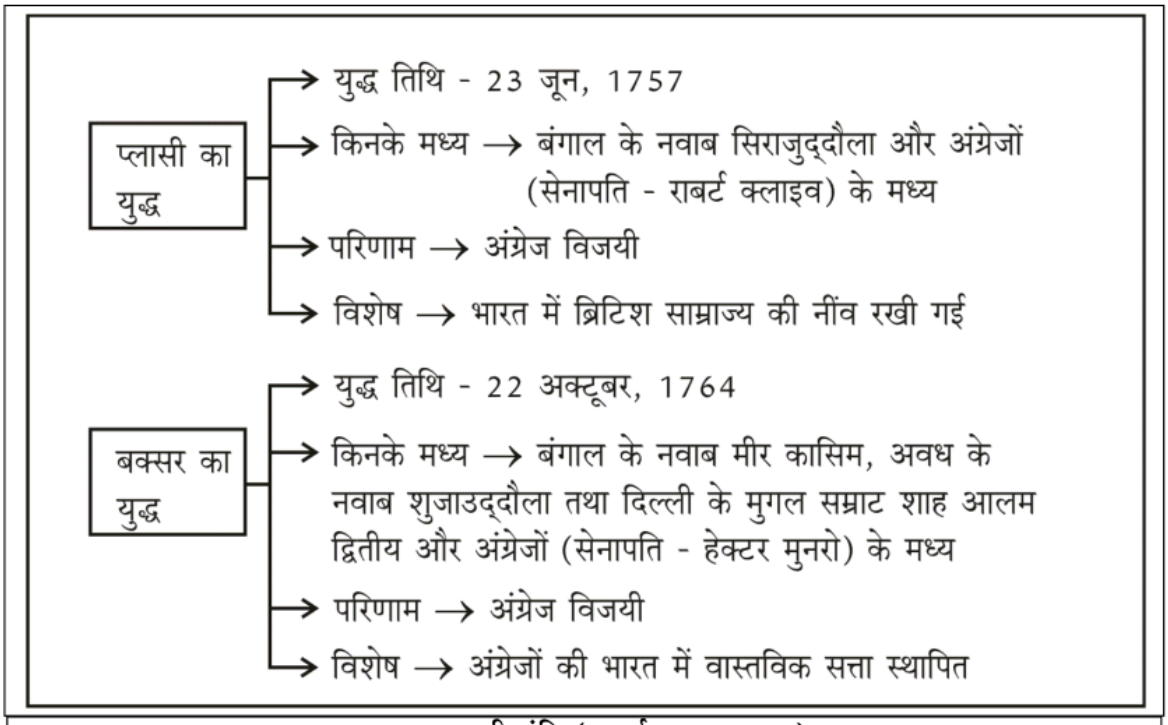

इलाहाबाद की संधि (राबर्ट क्लाइव द्वारा)

इलाहाबाद की प्रथम संधि (शाहआलम II से)	12 अगस्त, 1765 ई.
इलाहाबाद की द्वितीय संधि (शुजाउद्दौला से)	16 अगस्त, 1765 ई.

कर्नाटक युद्ध (अंग्रेजों तथा फ्रांसिसियों के मध्य)

क्रम	प्रमुख कारण	सन्धि	परिणाम
प्रथम (1746-48 ई.)	ऑस्ट्रिया के उत्तराधिकार का युद्ध	एक्स-ला – शैपेल की संधि - 1748	अनिर्णीत
द्वितीय (1749-54 ई.)	कर्नाटक के उत्तराधिकार का युद्ध	पॉण्डिचेरी की संधि (1755 ई.)	अंग्रेज मजबूत स्थिति में रहे।
तृतीय (1758-63 ई.)	सप्तवर्षीय युद्ध एवं औपनिवेशिक कारण	पेरिस की संधि (1763 ई.)	फ्रांस की पराजय

आँग्ल – मैसूर युद्ध

युद्ध एवं वर्ष	मैसूर के शासक	बंगाल का गवर्नर	संधि
प्रथम ऑग्ल-मैसूर युद्ध (1767-1769 ई.)	हैदरअली	लॉर्ड वेरेल्स्ट	मद्रास की संधि (1769 ई.)
द्वितीय ऑग्ल- मैसूर युद्ध (1780-1784 ई.)	हैदरअली	वारेन हेस्टिंग्स	मंगलौर की संधि (1784 ई.) (हैदरअली की मृत्यु)
तृतीय ऑग्ल-मैसूर युद्ध (1790-1792 ई.)	टीपू सुल्तान	लॉर्ड कॉर्नवालिस	श्रीरंगपट्टनम् की संधि (1792 ई.)
चतुर्थ ऑग्ल-मैसूर युद्ध 1799 ई.	टीपू सुल्तान	लॉर्ड वेलेजली	मैसूर की गद्दी पर अडयार वंश का एक बालक कृष्णराज बैठा (टीपू सुल्तान की मृत्यु)

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

आँग्ल – मराठा युद्ध

युद्ध	वर्ष	संधि	परिणाम
प्रथम ऑग्ल-मराठा युद्ध	1775-1782 ई.	सालबाई की संधि (1782 ई.)	अंग्रेजों को सालसेट तथा एलीफैंटा द्वीप प्राप्त हुआ, माधव राव नारायण पेशवा बना तथा राघोबा को पेंशन दी गयी
द्वितीय ऑग्ल- मराठा युद्ध	1803-1806 ई.	1. देवगाँव की संधि (17 दिसंबर, 1803)- अंग्रेजों एवं भोसले के मध्य 2. सूरजी-अर्जन गाँव की संधि (30 दिसंबर, 1803) - अंग्रेजों एवं सिन्धिया के मध्य 3. राजपुर घाट की संधि (25 दिसंबर, 1805) - लॉर्ड वेलेस्ली के जाने के बाद जॉर्ज बार्लो द्वारा होल्कर से संधि की गयी।	
तृतीय ऑग्ल-मराठा युद्ध	1817-1818 ई.	पूना की संधि, ग्वालियर की संधि, मंदसौर की संधि	समस्त मराठा क्षेत्र ब्रिटिश सत्ता के अधीन हो गया पेशवा पद समाप्त कर दिया गया, बाजीराव द्वितीय को पेंशन देकर बिठूर भेज दिया गया।

आँग्ल-सिख युद्ध

युद्ध एवं वर्ष	सिक्ख शासक	गवर्नर/ गवर्नर जनरल	संधि	परिणाम
प्रथम आँग्ल - सिक्ख युद्ध (1845-46 ई.)	दिलीप सिंह (वजीर- लाल सिंह सेनापति– तेजा सिंह)	लॉर्ड हार्डिंग	लाहौर की संधि	अंग्रेजों ने दिलीप सिंह को 'महाराजा' की पदवी दी।
द्वितीय आँग्ल-सिक्ख युद्ध (1848-49 ई.)	दिलीप सिंह	लॉर्ड डलहौजी	अमृतसर की संधि	दिलीप सिंह से कोहिनूर हीरा लेकर ब्रिटिश ताज के पास भेजा गया

गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

वारेन हेस्टिंग्स (1773-1785 ई.)

(बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल)

- 1773 ई. में रेग्युलेटिंग एक्ट पारित हुआ।
- घेरे की नीति (रिंग फेंस नीति) वारेन हेस्टिंग्स से सम्बन्धित है।
- कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट (सर्वोच्च न्यायालय) की स्थापना।
- प्रथम ऑग्ल मराठा युद्ध (1775-82 ई.), द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84 ई.) और सालबाई की संधि (1782 ई.)।
- भारत में न्यायिक सेवा का जनक

लॉर्ड कार्नवालिस (1786-1793 ई.)

- तृतीय ऑग्ल-मैसूर युद्ध (1790-92 ई.) और श्रीरंगापट्टम की संधि (1792 ई.)
- स्थायी बन्दोबस्त (1793 ई.) की शुरूआत
- 5 अक्टूबर 1805 को कार्नवालिस की मृत्यु गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में हुयी, वहीं पर उसकी कब्र स्थित है।
- भारत में सिविल सेवा एवं पुलिस सेवा का जनक

लॉर्ड वेलेजली (1798-1805 ई.)

- सहायक संधि की शुरूआत (1798 ई.)
  - हैदराबादः 1798 और 1800 ई., मैसूर : 1799 ई., तंजौर : 1799 ई., अवध : 1801 ई., पेशवा : 1802 ई., भोंसले : 1803 ई., सिंधिया : 1804 ई.
- चतुर्थ ऑग्ल मैसूर युद्ध (1799 ई.) एवं बसीन की संधि (1802 ई.)।
- द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-05 ई.)
- कलकत्ता में फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना

लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-1823 ई.)

- तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-19 ई.) के बाद अहस्तक्षेप की नीति
- 1818 ई. में पेशवा पद की समाप्ति
- आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-16 ई.)
- बम्बई एवं मद्रास में रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को टॉमस मुनरो द्वारा लागू किया जाना (1820 ई.)।
- अवध एवं उत्तर-पश्चिम राज्यों/ प्रान्तों में महालवाड़ी व्यवस्था को लागू करना।

लॉर्ड विलियम बैंटिक (1828-1835 ई.)

(बंगाल के अन्तिम गवर्नर जनरल तथा भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे)

- 1829 ई. में नियम 17 द्वारा सती प्रथा का उन्मूलन किया।
- 1833 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया।
- इस प्रकार 1833 ई. में भारत का पहला गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बैंटिक हुआ।
- बैंटिक ने कर्नल स्लीमैन की सहायता से 1830 ई. में ठगी प्रथा को समाप्त किया।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

लॉर्ड एलनबरो (1842-44 ई.)

- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध समाप्त हुआ। सिंध को 1843 ई. में पूर्ण रूप से ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया।
- 1843 ई. में दास प्रथा का उन्मूलन (1843 के एक्ट V द्वारा) हुआ।

लॉर्ड डलहौजी (1848-1856 ई.)

- द्वितीय ऑग्ल सिक्ख युद्ध 1848-49 ई. में हुआ। 29 मार्च, 1849 को पंजाब का अंग्रेजी राज्य में विलय हुआ। कोहिनूर हीरा महारानी विक्टोरिया को भेज दिया गया।

व्यपगत सिद्धांत के अन्तर्गत विलय किये गए राज्य

सतारा – 1848 ई., जैतपुर – संम्भलपुर – 1849 ई., बघाट – 1850 ई., उदयपुर – 1852 ई., झांसी -1853 ई., नागपुर – 1854 ई., अवध – 1856 (कुशासन का आरोप)

- भारत में रेलवे का जनक, 1853 ई. में प्रथम रेलवे लाइन (बम्बई से थाणे के बीच 34 किलोमीटर) पर रेल का परिचालन; 1854 ई. में कलकत्ता एवं रानीगंज के मध्य दूसरी रेल।
- भारत में पहली बार P.W.D (सार्वजनिक निर्माण विभाग) की स्थापना की।

लॉर्ड कैनिंग (1856-58 ई.) &(1858-62)

(भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय)

- 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
- 1857 ई. में कलकत्ता, बम्बई एवं मद्रास में तीन नए विश्वविद्यालय की स्थापना
- कम्पनी के शासन का अंत
- मुगल सम्राट के पद को समाप्त कर दिया गया।

लॉर्ड मेयो (1869-1872 ई.)

- 1871 ई. में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग बनाया गया।
- 1865 ई. में कलकत्ता, बम्बई एवं मद्रास में उच्च न्यायालय की स्थापना की गई।
- भारत में प्रथम जनगणना लार्ड मेयो के कार्यकाल में 1872 ई. में हुई।

लॉर्ड लिटन (1876-1880 ई.)

- 1878 ई. में रिचर्ड स्ट्रेची की अध्यक्षता में प्रथम अकाल आयोग की नियुक्ति।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट-1878 पारित, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने इस एक्ट को 'आकाश से होने वाला वज्रपात' कहा।
- द्वितीय ऑग्ल-अफगान युद्ध (1878-80 ई.) हुआ तथा वैधानिक जनपद सेवा का गठन 1878 ई. में किया।
- सिविल सेवा परीक्षाओं में प्रवेश की अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई।

लॉर्ड रिपन (1880-84 ई.)

- नियमित जनगणना 1881 ई. में शुरू हुई।
- स्थानीय स्वशासन संबंधी प्रस्ताव पारित (1882 ई.), इसलिए रिपन को स्थानीय स्वशासन का जनक कहा गया।
- विलियम हंटर की अध्यक्षता में 1882 ई. में शिक्षा आयोग का गठन जो प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित था।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1882 ई. में) समाप्त।
- 2 फरवरी, 1883 ई. में यूरोपीयों के विरूद्ध भारतीय न्यायाधीशों द्वारा मुकदमें की सुनवाई के लिए प्रस्तावित "इल्बर्ट बिल" विवाद हुआ। यह श्वेत विद्रोह के नाम से प्रसिद्ध है।

लॉर्ड डफरिन (1884-86 ई.)

- डफरिन के समय ए.ओ. ह्यूम के द्वारा 1885 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई
- 1887 ई. में डफरिन के कार्यकाल में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी।

लॉर्ड कर्जन (1899-1905 ई.)

लार्ड कर्जन के कार्यकाल में गठित आयोग

वर्ष/ समय	आयोग	अध्यक्ष
1900 ई.	अकाल आयोग	सर एण्टोनी मैकडोनॉल्ड
1901 ई.	सिंचाई आयोग	सर कॉलिन स्कॉट मॉनक्रीफ
1901 ई.	रेलवे आयोग	टॉमस राबर्टसन
1902 ई.	पुलिस आयोग	एण्ड्रयू फ्रेजर
1902 ई.	विश्वविद्यालय आयोग	सर टॉमस रैले

- 19 जुलाई, 1905 ई. को कर्जन ने शिमला में 'बंगाल विभाजन की घोषणा की तथा सितम्बर, 1905 में ब्रिटिश सम्राट ने इसकी स्वीकृति दी।

लॉर्ड मिन्टो द्वितीय (1905-1910 ई.)

- 1907 ई. में सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन
- मार्ले-मिन्टो सुधार के तहत पहली बार मुसलमानों के लिए पृथक मताधिकार तथा पृथक निर्वाचन क्षेत्रों की स्थापना की गई।

लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय (1910-1916 ई.)

- दिल्ली दरबार में बंगाल विभाजन रद्द करने की घोषणा की गयी तथा राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थान्तरित करने की घोषणा की गयी (1911 ई.)।
- 1912 ई. में दिल्ली भारत की राजधानी बनी।
- 23 दिसम्बर 1912 ई. को दिल्ली में लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंका गया, इस कांड में भाई बाल मुकुन्द को फांसी की सजा दी गयी।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916-1921 ई.)

- 20 अगस्त, 1917 के सुधारों की घोषणा 'मॉन्टेग्यू चेम्सफोर्ड घोषणा' के नाम से प्रसिद्ध है।

लॉर्ड रीडिंग (1921-1926 ई.)

(एकमात्र यहूदी वायसराय)

- 1922 ई. में सर्वप्रथम I.C.S. की परीक्षा लंदन एवं इलाहाबाद में आयोजित हुई।
- 1 अक्टूबर, 1926 को 'लोक सेवा आयोग' की स्थापना हुई।

लॉर्ड इरविन (1926-1931 ई.)

- देशी रियासतों के संबंध में 1927 ई. में हार्टोग बटलर समिति की नियुक्ति हुई।
- 3 फरवरी 1928 को साइमन कमीशन भारत पहुँचा।
- 5 मार्च, 1931 को गाँधी इरविन समझौता हुआ।

लॉर्ड लिनलिथगो (1936-1944 ई.)

- पहला प्रान्तीय आम चुनाव 1936-37 ई. में सम्पन्न हुआ। जिसमें 11 प्रान्तों में से 8 प्रान्तों में कांग्रेस ने सरकार बनायी, 6 प्रान्तों में पूर्ण बहुमत की तथा 2 प्रान्तों में गठबंधन की सरकार बनायी।
- 1942 ई. में क्रिप्स मिशन भारत आया। गांधी जी ने इसके निर्णय को "पोस्ट डेटेड चेक" कहा।
- 8 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन/अगस्त क्रांन्ति प्रारम्भ हुआ, जिसमें 'करो या मरो' का नारा दिया गया।

लॉर्ड वेवेल (1944-1947 ई.)

- शिक्षा सुधार हेतु सार्जेंट योजना (1944 ई.) की घोषणा।
- वेवेल योजना 1945 ई. में प्रस्तुत किया गया।
- 20 फरवरी, 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री लार्ड क्लीमेंट एटली ने घोषणा की कि भारत को जून 1948 तक सत्ता सौंप देंगे।

लॉर्ड माउन्टबेटन (1947- 1948 ई.)

- लॉर्ड माउन्टबेटन ब्रिटिश भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल एवं वायसराय थे तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर -जनरल बनें।
- 3 जून, 1947 को माउन्टबेटन योजना घोषित हुई जिसमें भारत विभाजन की रूपरेखा थी।
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउन्टबेटन नियुक्त हुए।

सी. राजगोपालचारी (1948-1950 ई.)

- भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे।

ब्रिटिश कालीन भू-राजस्व व्यवस्था

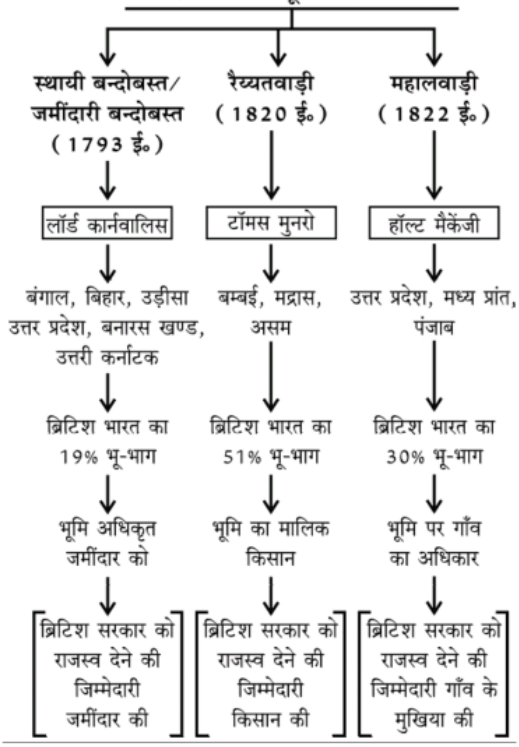

ब्रिटिश कालीन समितियाँ

आयोग	अध्यक्ष	वाय सराय	उद्देश्य
इनाम आयोग (1852 ई.)	इनाम	**लॉर्ड डलहौजी**	भूस्वामियों की सम्पत्ति/ उपाधियों की जांच हेतु।
चार्ल्स वुड डिस्पैच (1854 ई.)	सर चार्ल्स वुड	**लॉर्ड डलहौजी**	भारत की भावी शिक्षा की रूपरेखा तैयार करना।
स्ट्रेची आयोग (1878 ई.)	रिचर्ड स्ट्रेची	**लॉर्ड लिटन**	अकाल पीड़ितों की सहायता हेतु।
हण्टर आयोग (1882 ई.)	विलियम हण्टर	**लॉर्ड रिपन**	शिक्षा की प्रगति के पुनरावलोकन हेतु।
हरशेल समिति (1893 ई.)	हरशेल	**लॉर्ड लैंसडाउन**	टकसाल संबंधी सुझाव देने हेतु।
मैक्डोनल आयोग (1900 ई.)	सर एंटोनी मैक्डोनल	**लॉर्ड कर्जन**	दुर्भिक्ष पर स्ट्रेची आयोग की रिपोर्ट पर अपना सुझाव देने हेतु
मानक्रीक आयोग (1901 ई.)	सर वोल्विन स्कॉट मानक्रीक	**लॉर्ड कर्जन**	सिंचाई योजना हेतु

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

फ्रेजर आयोग (1902 ई.)	सर डब्ल्यू फ्रेजर	**लॉर्ड कर्जन**	पुलिस प्रशासन की कार्य पद्धति की जाँच करना।
सैडलर आयोग	माइकल सैडलर	**लॉर्ड चेम्सफोर्ड**	कलकत्ता विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और
(1917 ई.)			उसके दोषों की जाँच के लिए गठित
बटलर समिति (1927 ई.)	हरकोर्ट बटलर	**लॉर्ड इरविन**	ब्रिटिश परमसत्ता और देशी राज्यों को अच्छे संबंध स्थापित करने से संबंधित

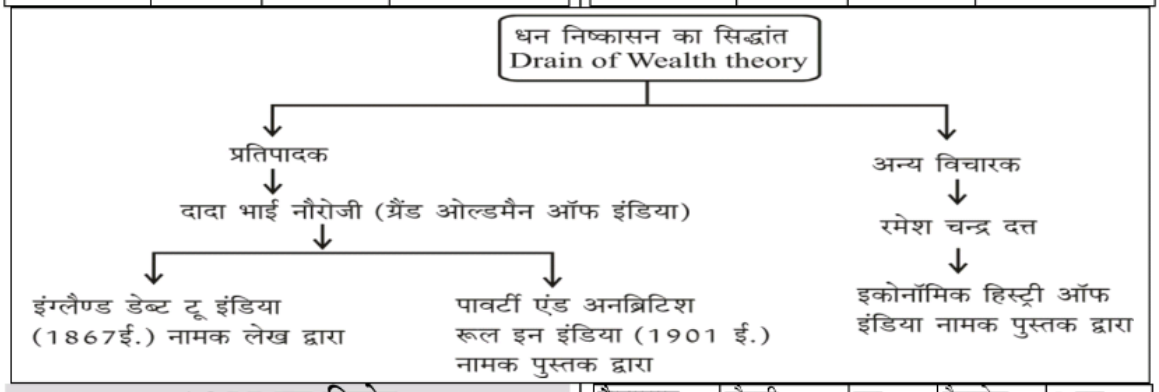

1857 का विद्रोह

- 29 मार्च, 1857 को 34वीं नेटिव इन्फेन्ट्री बैरकपुर (पश्चिम बंगाल, जिला परगना) के मंगल पांडे ने अपने सार्जेन्ट मेजर बाग की हत्या कर दी, और मेजर सार्जेन्ट ह्यूसन को गोली मार दी।
- मंगल पांडे को 8 अप्रैल, 1857 को फाँसी दी गयी।
- विद्रोह की शुरूआत 10 मई, 1857 को मेरठ से हुई।
- 1857 के सैनिक विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग था।
- 1857 के सैनिक विद्रोह के समय मुगल शासक बहादुरशाह द्वितीय "जफर" था।

1857 की क्रान्ति के प्रमुख केन्द्र

केन्द्र	भारतीय नायक/ विद्रोही नेता	विद्रोह तिथि	विद्रोह का दमनकर्ता	दमन तिथि
दिल्ली	बहादुरशाह द्वितीय, (बख्त खाँ)	11 मई, 1857	निकलसन, हडसन	20 सितं. 1857
लखनऊ	बेगम हजरत महल, बिरजिस कादिर	30 मई, 1857	कॉलिन कैम्पबेल	मार्च 1858
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	4 जून, 1857	जनरल ह्यूरोज	17 जून 1858
कानपुर	नाना साहब	5 जून, 1857	कॉलिन कैम्पबेल	6 दिसम्बर 1857
जगदीशपुर	कुँवर सिंह	12 जून, 1857	मेजर विलियम टेलर एवं विसेन्ट आयर	दिसम्बर 1858
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	जून, 1857	कैम्पबेल	5 जून 1858
बरेली	खान बहादुर खाँ	जून 1857	कैम्पबेल	1858
इलाहाबाद (प्रयागराज)	लियाकत अली	जून, 1857	कर्नल नील	1858
फतेहपुर	अजीमुल्ला	1857	जनरल रेनार्ड	1858

1857 के विद्रोह से संबंधित पुस्तकें एवं लेखक

पुस्तकें	लेखक
द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेन्डेन्स 1857	**वी. डी. सावरकर**
द ग्रेट रिबेलियन	**अशोक मेहता**
सिपॉय म्युटिनी एण्ड द रिवोल्ट ऑफ 1857	**आर. सी. मजूमदार**

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन

हिन्दू सुधार आन्दोलन

- **राजा राममोहन राय एवं ब्रह्म समाज–**
  परिचय- राजा राममोहन राय (22 मई 1772-27सितम्बर 1833)
  जन्म स्थल– राधानगर, हुगली, (बंगाल)
  उपाधि– राजा (मुगल शासक अकबर द्वितीय द्वारा), युगदूत (सुभाष चन्द्र बोस द्वारा), संवैधानिक आंदोलन के जनक (सुरेन्द्र नाथ बनर्जी द्वारा), भारतीय नवजागरण के अग्रदूत/ जनक, आधुनिक भारत के पिता, भारतीय राष्ट्रवाद के जनक, नवप्रभात का तारा, अतीत एवं भविष्य के मध्य सेतु, भारतीय जागृति के जनक, नये भारत का मसीहा, प्रथम आधुनिक पुरुष एवं युग पुरुष आदि का सम्मान प्राप्त हुआ।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

प्रकाशित समाचार पत्र-पत्रिकाएं – संवाद कौमुदी (बंग्ला), मिरात-उल-अखबार (अंग्रेजी, फारसी) 1822 ई. में, ब्रह्मानिकल मैंगजीन

प्रमुख पुस्तकें/रचनाएं – तुहफात-उल-मुवाहिदीन (एकेश्वरवादियों का उपहार) 1809 ई. में फारसी भाषा में प्रकाशित, प्रीसेप्ट ऑफ जीसस (जीसस का उपदेश/प्रवचन) 1820 ई. में प्रकाशित

स्थापित संस्थाएं – वेदांत सोसायटी-1816 ई. कलकत्ता, में, आत्मीय सभा (1814-15ई.) कलकत्ता, हिन्दू कॉलेज (1817 ई.) कलकत्ता (डेविड हेअर की अग्रणी भूमिका), वेदांत कालेज (1825 ई.) कलकत्ता, ब्रह्म समाज (1828 ई.) कलकत्ता

स्वामी दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज–

जन्म – 12 फरवरी, 1824 में

जन्म स्थल – टंकारा, गुजरात

बचपन का नाम – मूलशंकर

स्थापित संस्था – आर्य समाज, 1875 ई., बम्बई

नारा- वेदों की और लौटो, भारत भारतीयों के लिए है, स्वराज्य शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग

उपाधि – भारत का ''मर्टिनलूथर''

सुधारात्मक कार्य – वेदों का पुनरुत्थान, वैदिक धर्म की पुनः स्थापना, सामाजिक-धार्मिक कुरीतियों का प्रबल विरोध।

आन्दोलन – शुद्धि आन्दोलन (पुनः हिन्दू धर्म में प्रवेश), गौ रक्षा आन्दोलन। दण्डी स्वामी पूर्णानंद ने ही मूलशंकर का नाम ''स्वामी दयानंद सरस्वती'' रखा।

प्रमुख पुस्तकें/रचनाएं – सत्यार्थ प्रकाश (संस्कृत में) 1874 ई. में, पाखण्ड खण्डन (1866 ई.), अद्वैत मत का खण्डन (1873 ई.)

सत्यार्थ प्रकाश को आर्य समाज का बाइबिल कहा जाता है। सत्यार्थ प्रकाश में स्वामी जी ने लिखा है कि- ''बुरे से बुरा देशी राज्य अच्छे से अच्छा विदेशी राज्य से बेहतर है। स्वामी दयानंद पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया तथा 'स्वराज' शब्द का प्रयोग किया।

स्वामी विवेकानंद एवं रामकृष्ण मिशन

स्वामी विवेकानंद –

जन्म – 12 जनवरी, 1863

जन्मस्थल – कोलकाता

बचपन का नाम – नरेन्द्रनाथ दत्त

पिता – विश्वानाथ दत्त

माता – भुवनेश्वरी देवी

गुरू – रामकृष्ण परमहंस

संस्थापित संस्था – रामकृष्ण मिशन 1897, बेल्लूर में (कलकत्ता)

हिन्दू सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन एवं संगठन

संगठन	वर्ष	संस्थापक	स्थान
एशियाटिक सोसायटी	1784	विलियम जोन्स	कलकत्ता (बंगाल)
युवा बंगाल आन्दोलन	1826	हेनरी लुई विवियन डेरोजियो	कलकत्ता (बंगाल)
ब्रह्म समाज	1828	राजा राममोहन राय	कलकत्ता (बंगाल)
तत्वबोधिनी सभा	1839	देवेन्द्रनाथ टैगोर	कलकत्ता (बंगाल)
परमहंस मण्डली	1840	गोपाल हरिदेशमुख	बम्बई
रहनुमाई माजदायसन सभा	1851	दादाभाई नौरोजी	बम्बई
प्रार्थना समाज	1867	डा. आत्माराम पांडुरंग, एम. जी. रनाडे	बम्बई
आर्य समाज	1875	स्वामी दयानंद सरस्वती	बम्बई
थियोसोफिकल सोसायटी	1875	मैडम एच.पी. ब्लावोत्स्की, कर्नल एच. एस. अल्काट	न्यूयार्क
दक्कन एजुकेशनल सोसायटी	1884	जी.जी. आगरकर	पूना
इंडियन नेशनल सोशल कांफ्रेंस	1887	महादेव गोविन्द रनाडे	बम्बई
देव समाज	1887	शिवनारायण अग्निहोत्री	लाहौर
रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानंद	बेल्लूर
सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी	1905	गोपाल कृष्ण गोखले	बम्बई
पूना सेवा सदन	1909	श्रीमती रमाबाई रनाडे	पूना
सोशल सर्विस लीग	1911	एन.एम. जोशी	बम्बई
सेवा समिति	1914	एच.एन. कुंजरू	इलाहाबाद (प्रयाग)
हिन्दू महासभा	1915	मदनमोहन मालवीय	हरिद्वार
वीमेन्स इंडियन एसोसिएशन	1917	लेडी सदाशिव अय्यर	मद्रास
विश्व भारती	1921	रवीन्द्रनाथ टैगोर	कलकत्ता

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

निम्न जातीय आन्दोलन एवं संगठन

आन्दोलन/संगठन	वर्ष	संस्थापक	स्थान
सत्यशोधक समाज	1873	ज्योतिबा फुले	महाराष्ट्र
अरब्बीपुरम् आंदोलन	1888	श्रीनारायण गुरू	अरब्बीपुरम् (केरल)
श्री नारायण धर्म परिपालन योगम	1903	श्रीनारायण, पद्मनाभन पल्पू एवं कुमार आशान	केरल
डिप्रेस्ड क्लास मिशन सोसायटी	1906	वी. आर. शिंदे	बम्बई
बहुजन समाज	1910	मुकुंदराव पाटिल	सतारा (महाराष्ट्र)
जस्टिस पार्टी	1915-16	सी. एन. मुदालियर, टी. एम. नायर एवं पी. त्यागराज चेट्टी	मद्रास
बहिष्कृत हितकारिणी सभा	1924	डा. भीमराव अम्बेडकर	बम्बई
आत्मसम्मान आंदोलन	1920	ई. वी. रामास्वामी नायकर एवं बलीजा नायडू	मद्रास
हरिजन सेवक संघ	1932	महात्मा गांधी	पूना

मुस्लिम-सामाजिक-धार्मिक आंदोलन

आंदोलन	वर्ष	संस्थापक	स्थान
दारूल-उलूम अथवा देवबंद आंदोलन	1866	मु.कासिम ननौतवी एवं राशिद अहमद गंगोही	देवबंद
अलीगढ़ आन्दोलन	1875	सर सैय्यद अहमद खाँ	अलीगढ़
अहमदिया आंदोलन	1889-90	मियां मिर्जा गुलाम अहमद	फरीद कोट
नदवातुल आंदोलन (नदवाह-उल-उलेमा)	1894-95	मौलाना शिबली नुमानी	लखनऊ

महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार अधिनियम

वर्ष	अधिनियम	गवर्नर जनरल	विषय
1795 और 1804	शिशुवध प्रतिबंध अधि.	लॉर्ड वेलेजली	शिशुओं को मारने पर रोक
1829	सतीप्रथा प्रतिबंध अधि.	लॉर्ड विलियम बैंटिक	सती प्रथा पर प्रतिबंध (राजा राममोहन राय के प्रयास से)
1829	बाल विवाह निषेध अधि.	लॉर्ड विलियम बैंटिक	18 वर्ष से कम आयु के लड़कों के विवाह पर प्रतिबंध
1837	हिन्दू महिला/ सम्पत्ति अधि.	लॉर्ड ऑकलैण्ड	हिन्दू महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार
1843	दास प्रथा प्रतिबंध अधि.	लॉर्ड एलनबरो	दास प्रथा पर पूर्णतः प्रतिबंध
1856	हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधि.	लॉर्ड कैनिग	विधवा विवाह को वैध ठहराया गया। (ईश्वरचन्द्र विद्यासागर का प्रयास)
1872	नेटिव मैरिज एक्ट	लॉर्ड नार्थब्रुक	अंतर्जातीय विवाह की वैधानिकता (केशवचन्द्र सेन का प्रयास)
1891	ऐज ऑफ कंसेट एक्ट	लॉर्ड लैंसडाऊन	लड़की की सहमति की आयु 10 वर्ष से बढ़ाकर 12 वर्ष की गई। (बहरामजी मालाबारी का प्रयास)
1930	शारदा एक्ट	लॉर्ड इरविन	लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष की गई तथा कन्या की न्यूनतम आयु 14 वर्ष निश्चित कर दी गयी।
1931	बाल विवाह निषेध अधि.	लॉर्ड इरविन	बाल विवाह को प्रतिबंधित किया गया।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

कृषक मजदूर एवं जनजातीय आन्दोलन

महत्वपूर्ण कृषक आन्दोलन			
विद्रोह/ आन्दोलन/ संगठन	**प्रभावित क्षेत्र**	**नेतृत्व**	**कारण**
मोपला विद्रोह (1836-1854), (1921-22ई.)	मालाबार	**के. एन. हाजी, सैय्यद काजी अली मुसलियार**	जमींदारों का अत्याचार एवं अंग्रेजी सरकार की खिलाफत विरोधी नीतियाँ
पागलपंथी	उत्तरी बंगाल	**करमशाह एवं टीपू**	जमींदारों के अत्याचारों के विरुद्ध विद्रोह
फैराजी आंदोलन (1838)	फरीदपुर (बंगाल)	**हाजी शरीयतुल्ला एवं दादू मियां**	जमींदारों के अत्याचारों के विरुद्ध विद्रोह एवं अर्द्ध धार्मिक स्वरूप
नील विद्रोह (1859-1860 ई.)	बंगाल	**विष्णु विश्वास, दिगम्बर विश्वास**	किसानों से बल पूर्वक नील की खेती करवाना
पाबना विद्रोह (1873-1876 ई.)	बंगाल	**ईशान चंद्र राय, केशव चन्द्र राय, शंभूनाथ पाल**	काश्तकारी की जमीन पर कब्जे के विरूद्ध षडयंत्र, बेदखली एवं लगान वृद्धि
दक्कन विद्रोह (1874-1875)	पूना, अहमदाबाद, शोलापुर एवं सतारा	**बाबा साहब देशमुख**	कपास कृषकों पर लगान वृद्धि व महाजनों द्वारा बेदखली
बिजौलिया आंदोलन 1905, 1913, 1916, 1927	राजस्थान	**सीताराम दास, मणिक लाल वर्मा**	किसानों पर विभिन्न प्रकार के कर लगाए गए थे
चंपारन सत्याग्रह (1917 ई.)	चंपारन, मोतिहारी बेतिया, मधुबनी (बिहार)	**महात्मा गांधी, राजेन्द्र प्रसाद, ब्रजकिशोर प्रसाद, राजकुमार शुक्ल आदि**	तिनकठिया प्रणाली के विरोध में
खेड़ा सत्याग्रह (1918 ई.)	खेड़ा (गुजरात)	**महात्मा गांधी**	फसल की बर्बादी के बाद भी राजस्व वसूल किया जाना।
अवध किसान आन्दोलन (1920 ई.)	प्रतापगढ़, रायबरेली, सुल्तानपुर, फैजाबाद (उ. प्र.)	**रामचन्द्र**	अवैध लगान वसूली- भू बेदखली नियम लागू
एका आन्दोलन (1921-22 ई.)	बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, बहराइच	**मदारी पासी**	लगान में वृद्धि के विरोध में
बारदोली सत्याग्रह (1928 ई.)	सूरत का बारदोली तालुका	**वल्लभ भाई पटेल**	लगान में वृद्धि के विरोध में
तेभागा आन्दोलन (1946 ई.)	बंगाल	**कंपाराम, भुवन सिंह**	बटाईदारों ने निर्णय लिया कि किसानों को 50% की जगह अब 33% ही देगें।

Note:- भारत की स्वतंत्रता के पश्चात ''**भूदान आन्दोलन**'' का नेतृत्व ''**विनोबा भावे**'' ने किया था।

प्रमुख जनजातीय विद्रोह		
जनजाति/वर्ष	**नेतृत्वकर्ता**	**प्रभावित क्षेत्र**
चुआर (1768 ई.)	राजा जगन्नाथ, दुर्जन सिंह	झारखण्ड एवं बंगाल
बघेरा विद्रोह (1818-1820)	बघेरा सरदार	बड़ौदा
हो (1820, 1822, 1832 ई.)	राजा पराहत	सिंहभूम, छोटा नागपुर
भील (1812-19, 1825 ई.)	त्रिम्बकजी दांगलिया सेवरम के नेतृत्व में	खानदेश
खासी (1827-1833 ई.)	राजा तीरत सिंह, मुकुन्द सिंह, बार मानिक	खासी पहाड़ी (असम व मेघालय)
कोल (1831-1832 ई.)	बुद्धो भगत व गंगा नारायण	छोटा नागपुर
खोंड (1846-48, 1855, 1914 ई.)	चक्र विश्नोई, राधाकृष्ण दण्डसेन	उड़ीसा

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

संथाल (1855-56 ई.)	सिद्धू, कान्हू, चाँद एवं भैरव	बिहार, झारखण्ड
अहोम (1828-1833 ई.)	गोमधर कुँवर	असम व पूर्वोत्तर क्षेत्र
रम्पा (1879 ई.), (1922-24 ई.)	अल्लूरी सीतारामराजू	आंध्र प्रदेश
मुंडा (1899-1900 ई.)	बिरसा मुंडा	छोटा नागपुर
ताना भगत (1920-30 ई.)	जतरा भगत, बलराम भगत	छोटा नागपुर
जियातरंग आन्दोलन (1931 ई.)	जेडोनाग, एवं रानी गौडिल्यु	मणिपुर

नागरिक एवं गैर आदिवासी विद्रोह

विद्रोह/वर्ष	नेतृत्वकर्ता	प्रभावित क्षेत्र
संन्यासी विद्रोह (1763-1800 ई.)	केना सरकार, मंजरशाह, द्विज नारायण	बंगाल, बिहार
फकीर विद्रोह (1776-77 ई.)	मजनूमशाह, चिराग अली, भवानी पाठक, देवी चौधरानी	बंगाल
पाइक विद्रोह (1804-17), (1817-1825 ई.)	खुर्दा के राजा एवं जगबंधु	उड़ीसा
रामोसी विद्रोह (1822-1829, 1839-41 ई.)	चित्तर सिंह उमाजी, नरसिंह दत्तात्रेय	पूना, पश्चिमी घाट
कित्तूर का विद्रोह (1824-1829 ई.)	कित्तूर की रानी चेनम्मा	धारवाड़ के निकट
गडकरी विद्रोह (1844 ई.)	कृष्णादाजी पंडित	कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
फरायजी आन्दोलन (1838-1858 ई.)	शरीयतुल्ला, दादू मियाँ	बंगाल
कूका विद्रोह (1840-1841 ई.	भगत जवाहर मल	पंजाब
पागल पंथी विद्रोह (1825-1833 ई.)	करमशाह, टीपू	शेरपुर (पूर्वी बंगाल)
थम्पी विद्रोह (1805-1809 ई.)	दीवान वेलु थम्पी	त्रावणकोर (केरल)

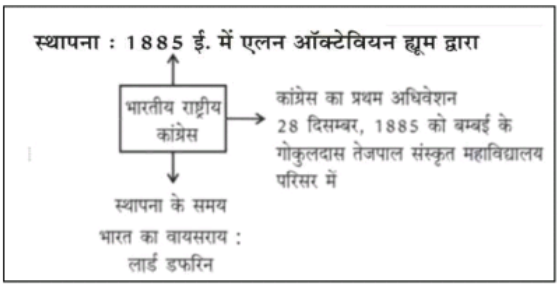

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः प्रमुख तथ्य

प्रथम अध्यक्ष	डब्लयू. सी. बनर्जी
प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष	बदरूद्दीन तैय्यबजी
प्रथम यूरोपीय अध्यक्ष	जार्ज यूले
प्रथम महिला अध्यक्ष	एनी बेसेन्ट
प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष	सरोजिनी नायडू
सबसे युवा अध्यक्ष	मौलाना अबुल कलाम आजाद

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख वार्षिक अधिवेशन

वर्ष	स्थल	अध्यक्ष	प्रमुख तथ्य
1885	बम्बई	डब्ल्यू. सी. बनर्जी	इस अधिवेशन में 72 प्रतिनिधि शामिल हुए।
1886	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी (प्रथम पारसी अध्यक्ष)	नेशनल एसोसिएशन कांग्रेस का राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गया, डफरिन ने सभी सदस्यों को गार्डेन पार्टी पर आमंत्रित किया।
1887	मद्रास	बदरूद्दीन तैय्यबजी (प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष)	सर्वप्रथम तमिल भाषा में भाषण दिया गया। शस्त्र अधिनियम के विरोध में प्रस्ताव पारित।
1888	इलाहाबाद (प्रयागराज)	जार्ज यूले (प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष)	जार्ज यूले प्रथम यूरोपीय अध्यक्ष बने। इस अधिवेशन में पहली बार लाला लाजपत राय ने हिन्दी में भाषण दिया।
1896	कलकत्ता	रहीमतुल्ला एम. सयानी (द्वितीय मुस्लिम अध्यक्ष)	सर्वप्रथम वंदे मातरम् गाया गया।
1905	बनारस	गोपाल कृष्ण गोखले	बंगाल विभाजन की आलोचना की गयी। स्वदेशी व बहिष्कार का समर्थन किया गया।
1906	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी	नौरोजी द्वारा स्वराज (स्वशासन) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

1907	सूरत	रासबिहारी घोष	कांग्रेस का प्रथम विभाजन (नरम दल एवं गरम दल)
1911	कलकत्ता	बिशन नारायण दर	पहली बार "जन-गण-मन" गया गया।
1916	लखनऊ	अम्बिका चरण मजूमदार	बम्बई का गवर्नर लार्ड विलिंगटन ने अधिवेशन में भाग लिया था। नरमदल एवं गरम दल में समझौता तथा कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग में समझौता।
1917	कलकत्ता	एनी बेसेन्ट (प्रथम महिला अध्यक्ष)	सर्वप्रथम तिरंगे झण्डे को कांग्रेस ने अपनाया।
1920	नागपुर	सी. विजय राघवाचेरियार	भारतीय रियासतों के प्रति नीति घोषित की भाषायी आधार पर प्रान्तों के विभाजन एवं हिन्दी को सम्पर्क भाषा बनाने की बात कही गयी। असहयोग आन्दोलन के कार्यक्रम का अनुमोदन
1923	काकीनाड़ा	मौलाना मुहम्मद अली	इस वार्षिक सम्मेलन में 'अखिल भारतीय खादी बोर्ड' की स्थापना की गयी।
1924	बेलगाँव (कर्नाटक)	महात्मा गांधी	एक मात्र कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की।
1925	कानपुर	सरोजनी नायडू	कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष
1929	लाहौर	जवाहर लाल नेहरू	पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रतिवर्ष 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।
1931	कराची	वल्लभ भाई पटेल	मूल अधिकार का प्रस्ताव, गांधी इरविन समझौते का अनुमोदन, राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम का प्रस्ताव पारित
1936	लखनऊ	जवाहरलाल नेहरू	नेहरू ने समाजवाद को भारत की समस्याओं के हल करने की कुंजी बताया। कांग्रेस पार्लियामेंटरी बोर्ड की स्थापना।
1937	फैजपुर	जवाहरलाल नेहरू	प्रथम अधिवेशन जो गाँव में हुआ।
1938	हरिपुरा (गुजरात)	सुभाष चन्द्र बोस	राष्ट्रीय नियोजन/ योजना समिति का गठन, सुभाषचन्द्र बोस ने हिन्दी भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने की वकालत की। झण्डागीत की स्वीकृति मिली।
1939	त्रिपुरी (म.प्र.)	सुभाष चन्द्र बोस	पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव सुभाष चन्द्र बोस एवं गाँधी जी समर्थित उम्मीदवार पट्टाभि सीतारमैया के बीच मतदान द्वारा हुआ। इसमें सुभाष चन्द्र बोस जीत गए, परन्तु कार्यकारिणी के गठन के प्रश्न पर उन्होंने त्याग-पत्र दे दिया, तब डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को इसका अध्यक्ष बनाया गया।
1940	रामगढ़	मौलाना अबुल कलाम आजाद	आजाद 6 वर्ष तक लगातार कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर रहे।
1946	मेरठ	आचार्य जे. बी. कृपलानी	स्वतंत्रता के समय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।

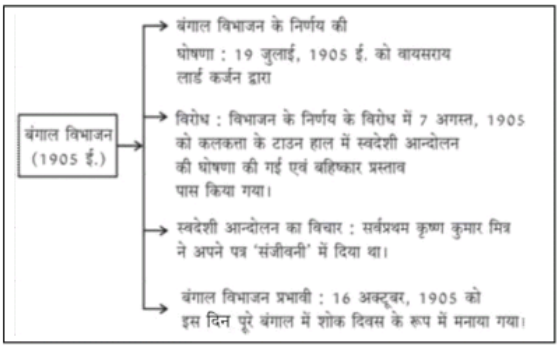

गोपाल कृष्ण गोखले, महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु थे। इन्होंने 1905 ई. में 'सर्वेण्ट ऑफ इण्डिया सोसाइटी' की स्थापना की।

- वर्ष 1911 में वायसराय लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय ने इंग्लैण्ड के सम्राट जॉर्ज पंचम एवं महारानी मेरी के आगमन पर दिल्ली में भव्य दरबार का आयोजन किया।
- जिसमें बंगाल विभाजन को रद्द कर दिया गया तथा कलकत्ता के स्थान पर 'दिल्ली' को भारत की राजधानी बनाने की घोषणा की गई। वर्ष 1912 में दिल्ली भारत की राजधानी बनी।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

दिसम्बर, 1906 में ढ़ाका के नवाब सलीमुल्ला खान के निमंत्रण पर ढ़ाका में 'अखिल भारतीय मुस्लिम शैक्षणिक सम्मेलन, सम्पन्न हुआ।

मुस्लिम लीग का गठन 1906 ई.

- मुस्लिम लीग का मुख्यालय : लखनऊ में बनाया गया।
- सम्मेलन में सलीमुल्ला ने अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के गठन का प्रस्ताव पेश किया
- मुस्लिम लीग का पहला अध्यक्ष चुना गया - आगा खाँ को

सूरत अधिवेशन 1907 के दौरान

कांग्रेस का विभाजन

- परिणामत: कांग्रेस नरम दल एवं गरम दल में विभाजित हो गई।
- सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता : रास बिहारी बोस द्वारा
- कारण : स्वदेशी आन्दोलन को चलाने के तौर तरीकों को लेकर

बाल गंगाधर तिलक

- **उपाधि -** लोकमान्य, भारत के बेताज बादशाह
- **प्रकाशित समाचार पत्र -** मराठा, केसरी (1881 ई. में)
- **उत्सव की शुरूआत -** 1893 ई. में गणपति उत्सव व 1895 ई. में शिवाजी उत्सव
- इण्डियन अनरेस्ट के लेखक वैलेंटाइन शिरोल ने इन्हें 'भारतीय अशान्ति का जनक' कहा।
- 1908 ई. में केसरी में प्रकाशित तथ्यों के आधार पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर इन्हें 6 वर्ष की सजा देकर मांडले जेल (बर्मा) भेज दिया गया।
- मांडले जेल में ही इन्होंने 'गीता रहस्य' नामक पुस्तक लिखी।
- तिलक ने कांग्रेस पर प्रार्थना, याचना और विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया था।

भारत में क्रांतिकारी आन्दोलन का प्रथम चरण

- वी.डी. सावरकर द्वारा 1899 ई. में स्थापित 'मित्र मेला' ही 1904 ई. में एक गुप्त सभा 'अभिनव भारत' में परिवर्तित हो गई।
- पी. मित्रा ने बंगाल में अनुशीलन समिति की स्थापना की।
- 30 अप्रैल, 1908 को खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर के न्यायाधीश किंग्सफोर्ड की गाड़ी पर बम फेंका परन्तु किंग्सफोर्ड बच गया,
- प्रफुल्ल चाकी ने आत्महत्या कर ली एवं खुदीराम बोस को गिरफ्तार कर लिया गया और 1908 ई. में मात्र 15 वर्ष की आयु में फांसी दे दी गई।
- 23 दिसम्बर, 1912 को दिल्ली में वायसराय लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय के काफिले पर बम फेंका गया। इस घटना में रास बिहारी बोस और सचिन सन्याल की मुख्य भूमिका थी।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

विदेशों में क्रांतिकारी आन्दोलन

- श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1905 ई. में लंदन में भारत स्वशासन समिति (इंडिया होमरूल सोसाइटी) की स्थापना की।
- मैडम भीकाजी कामा ने 1907 ई. में स्टुटगार्ट (जर्मनी) में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस के सम्मेलन में भारत का राष्ट्रीय तिरंगा (हरा, पीला, व लाल रंग का ध्वज) फहराया। इन्हें 'भारतीय क्रांति की माता' कहा जाता है।
- 1 नवंबर, 1913 को लाला हरदयाल ने सैनफ्रांसिस्को में 'गदर पार्टी' की स्थापना की। सोहन सिंह भाखना इस पार्टी के अध्यक्ष थे।

महत्वपूर्ण घटनाएं

- कामागाटामारू प्रकरण : 1914 ई.
- मार्ले-मिन्टो सुधार : 1909 ई.
- दिल्ली दरबार : 1911 ई.
- प्रथम विश्व युद्ध : 1914-1918 ई.
- होमरूल लीग आन्दोलन : 1916 ई.
- लखनऊ समझौता : 1916 ई.
- माण्टेग्यू घोषणा : 1917 ई.
- माण्टेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधार : 1919 ई.

लखनऊ समझौता

- 1916 ई. में अंबिका चरण मजूमदार की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लखनऊ में हुआ।
- लखनऊ अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक एवं एनी बेसेन्ट के प्रयासों से नरम दल एवं गरम दल का पुनः मिलन हो गया।
- इसी अधिवेशन में कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के बीच समझौता हुआ, जिसे 'लखनऊ समझौता' के नाम से जाना जाता है।

महात्मा गांधी : संक्षिप्त परिचय

- महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ।
- इसके पिता का नाम करमचंद गांधी एवं माता का नाम पुतली बाई था।
- इनके पिता पोरबंदर, वंकानेर और राजकोट के दीवान थे।
- 1883 ई. में 13 वर्ष की आयु में गांधी जी का विवाह कस्तूरबा गांधी के साथ हुआ।
- गाँधी जी ने 1889 से 1891 ई. तक इंग्लैंड में कानून की पढ़ाई की।
- गाँधी जी 1893 ई. में गुजराती व्यापारी दादा अब्दुल्ला का मुकदमा लड़ने के लिए दक्षिण अफ्रीका (डरबन) गए।
- गांधीजी अफ्रीका में लगभग 21 वर्ष तक रहे। वे 9 जनवरी, 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे।
- गोपाल कृष्ण गोखले गाँधी जी के राजनीतिक गुरू थे।
- गाँधी जी ने 1917 ई. में अहमदाबाद में साबरमती नदी के तट पर साबरमती आश्रम की स्थापना की।
- 'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंटस विद ट्रुथ' गाँधी जी की आत्मकथा है।
- महात्मा गाँधी द्वारा प्रकाशित पुस्तक, पत्र-पत्रिका - हिंद स्वराज, यंग इंडिया, नवजीवन, हरिजन, इंडियन ओपिनियन
- 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने गाँधी जी की हत्या कर दी।

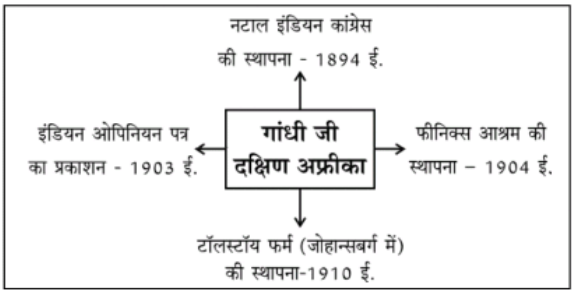

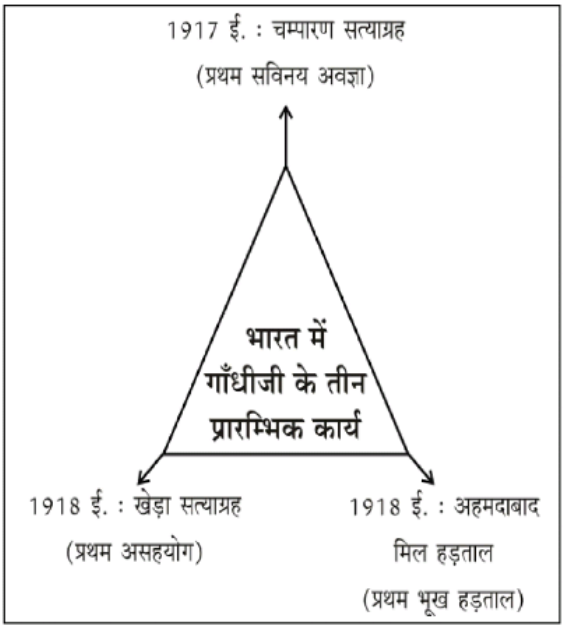

- 1917 ई. में राजकुमार शुक्ल के आग्रह पर गांधीजी चम्पारण गये। गांधीजी ने यहाँ पर नील की खेती की "तिनकठिया पद्धति" के विरुद्ध सत्याग्रह आन्दोलन चलाया।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड (13 अप्रैल, 1919)

- 18 मार्च, 1919 को रौलेट एक्ट पारित किया गया।
- 9 अप्रैल, 1919 को पंजाब के लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ. डायर के आदेश पर पंजाब के दो लोकप्रिय नेताओं डॉ. सत्यपाल एवं डॉ. सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना से जनता में रोष व्याप्त हो गया।
- 10 अप्रैल, 1919 को अमृतसर शहर का प्रशासन सैन्य अधिकारी ब्रिगेडियर जनरल आर. डायर को सौंप दिया गया।
- 13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के दिन जलियांवाला बाग में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया जिस पर जनरल आर. डायर ने अंधाधुंध गोलियाँ चलवाई।
- इस हत्याकांड के विरोध में शंकरन नायर ने वायसराय की कार्यकारिणी परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।
- जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'नाइटहुड' की उपाधि त्याग दी।
- कांग्रेस ने भी इस हत्याकांड की जांच के लिए मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में 'तहकीकात कमेटी' का गठन किया।

असहयोग आन्दोलन (1920-22 ई.)

- लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में सितम्बर, 1920 में कांग्रेस का विशेष अधिवेशन कलकत्ता में आयोजित किया गया।
- इस अधिवेशन में स्वराज की प्राप्ति के लिए असहयोग आन्दोलन को चलाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
- महात्मा गाँधी ने 1 अगस्त, 1920 को असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया। दुर्भाग्य से इसी दिन तिलक का निधन हो गया।
- दिसंबर, 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव अंतिम रूप से पारित कर दिया गया। इस प्रस्ताव को सी. आर. दास ने प्रस्तुत किया था।
- असहयोग आन्दोलन चलाने के लिए 1921 में 'तिलक स्वराज्य फण्ड' की स्थापना की गई।
- महात्मा गांधी ने ''कैसर-ए-हिन्द' और जमनालाल बजाज ने 'राय बहादुर' की उपाधि त्याग दी।
- असहयोग आन्दोलन के दौरान विदेशी वस्त्रों के जलाये जाने को रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'निष्ठुर बर्बादी' की संज्ञा दी।

संयुक्त प्रांत के गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा नामक स्थान पर

चौरी चौरा कांड 4 फरवरी, 1922

कारण : किसानों के जुलूस पर गोली चलाए जाने के कारण उग्र भीड़ ने थाने में आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मी मारे गए

परिणाम : 12 फरवरी, 1922 को गांधी जी ने असहयोग आन्दोलन को स्थगित कर दिया।

स्वराज पार्टी का गठन (मार्च, 1923 ई.)

- 1923 के विधानमंडल चुनावों में भाग लेने के लिए मार्च, 1923 में सी. आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू ने इलाहाबाद में स्वराज पार्टी की स्थापना की। सी. आर. दास इस पार्टी के अध्यक्ष एवं मोतीलाल नेहरू महासचिव थे।
- स्वराज पार्टी ने 1925 ई. में विट्ठल भाई पटेल को केन्द्रीय विधानमंडल का अध्यक्ष नियुक्त करने में सफलता प्राप्त की।

क्रांतिकारी आन्दोलन का दूसरा चरण

हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन (HRA)-अक्टूबर, 1924 में शचीन्द्र सान्याल, रामप्रसाद बिस्मिल, योगेश चटर्जी ने अन्य क्रांतिकारियों के सहयोग से कानपुर में इसकी स्थापना की।

- **काकोरी कांड (9 अगस्त, 1925)**-हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के काकोरी नामक स्थान पर 8 डाउन ट्रेन को लूट लिया। इस

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

घटना के सम्बन्ध में 29 क्रांतिकारियों को गिरफ्तार करके मुकदमा चलाया गया।

- राम प्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र लाहिड़ी, रोशनलाल, अशफाक उल्ला को क्रमशः गोरखपुर, गोंडा, नैनी तथा फैजाबाद में फांसी दी गई। चन्द्रशेखर आजाद इस घटना के बाद भागने में सफल रहे।

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)

- 1928 ई. में चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन का नाम बदलकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन रख दिया गया।
- HSRA के संस्थापक सदस्यों में भगत सिंह, सुखदेव, भगवती चरण वोहरा, शिव वर्मा, जयदेव कपूर, विजय कुमार सिन्हा शामिल थे।
- 17 दिसम्बर, 1928 को भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद और राजगुरू ने लाला लाजपत की मृत्यु का बदला लेने के लिए लाहौर के सहायक पुलिस अधीक्षक साण्डर्स की हत्या कर दी।
- 8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली में केन्द्रीय विधानमंडल की खाली बेंचों पर बम फेंका।
- भगत सिंह, राजगुरू तथा सुखदेव पर लाहौर षड्यंत्र केस (सांडर्स की हत्या) के तहत मुकदमा चलाया गया।
- 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को फांसी दी गई।
- 27 फरवरी, 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस मुठभेड़ के दौरान चन्द्रशेखर आजाद ने स्वयं को गोली मार ली।

सविनय अवज्ञा आंदोलन

- सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरूआत 12 मार्च, 1930 को गांधी जी के प्रसिद्ध दांडी मार्च के साथ हुई।
- 12 मार्च, 1930 को गांधी जी ने अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से अपने 78 समर्थकों के साथ डांडी के लिए पद यात्रा प्रारंभ की।
- 24 दिनों बाद गांधी जी अपने समर्थकों के साथ 5 अप्रैल को दांडी (नौसारी जिला) पहुँचकर 6 अप्रैल, 1930 को समुद्र तट पर नमक बनाकर कानून तोड़ा।
- इस यात्रा के दौरान गांधी जी ने कुल 390 किमी. की पद यात्रा तय की।
- अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर 'दाण्डी मार्च' में महात्मा गांधी के साथ था।

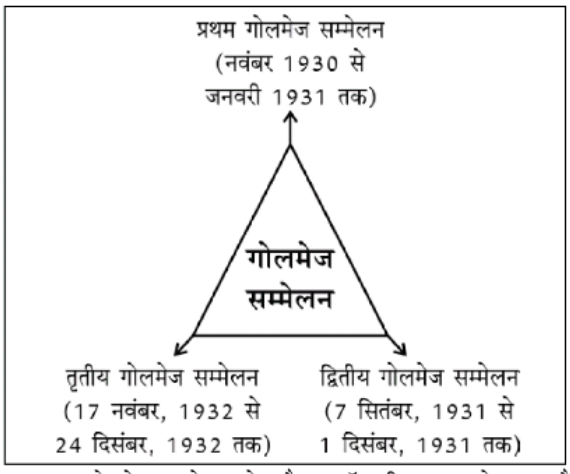

- प्रथम गोलमेज सम्मेलन के दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर और मुस्लिम प्रतिनिधियों ने पृथक निर्वाचक मण्डल की माँग की।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर तीनों गोलमेज सम्मेलन में सम्मिलित हुए थे।
- कांग्रेस ने सिर्फ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के एक मात्र प्रतिनिधि के रूप में गांधी जी 29 अगस्त, 1931 को एस.एस. राजपूताना नामक जलपोत से लन्दन के लिए रवाना हुए।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में सम्मिलित होने वाले प्रमुख व्यक्ति- महादेव देसाई, मदन मोहन मालवीय, देवदास गांधी, घनश्याम दास बिड़ला, मीराबेन, ऐनी बेसेन्ट, सरोजनी नायडू आदि थे।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के समय रैम्जे मैकडोनाल्ड ब्रिटिश प्रधानमंत्री तथा लॉर्ड विलिंगटन भारत के वायसराय थे।

सांप्रदायिक निर्णय एवं पूना पैक्ट

- 16 अगस्त, 1932 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनॉल्ड ने सांप्रदायिक पंचाट (कम्युनल अवॉर्ड) की घोषणा की।
- अब दलित वर्ग को भी अल्पसंख्यक (मुसलमान और सिख पहले से ही) मानकर हिन्दुओं से अलग कर दिया गया।
- इस निर्णय के विरोध में गांधी जी ने पूना के यरवदा जेल में 20 सितंबर, 1932 को आमरण अनशन शुरू किया।
- 24 सितंबर, 1932 को गाँधी के अनुयायियों (मदन मोहन मालवीय, डा. राजेन्द्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी) और अम्बेडकर के बीच समझौता किया गया।
- इस समझौते को पूना पैक्ट कहा जाता है।
- पूना समझौते का मसौदा सी. राजगोपालाचारी ने तैयार किया था।
- पूना पैक्ट पर दलित वर्ग की ओर से डॉ. अम्बेडकर तथा हिन्दुओं की ओर से पं. मदन मोहन मालवीय ने हस्ताक्षर किया था।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

महत्वपूर्ण तथ्य

- 18 अप्रैल 1930 को सूर्य सेन (मास्टर दा) के नेतृत्व में इण्डियन रिपब्लिकन आर्मी की चटगाँव शाखा ने चटगाँव शस्त्रागार पर धावा बोलकर कब्जा कर लिया।
- 3 फरवरी 1928 को साइमन कमीशन भारत पहुँचा।
- 22-24 मार्च, 1940 को मुस्लिम लीग का वार्षिक अधिवेशन मोहम्मद अली जिन्ना की अध्यक्षता में लाहौर में हुआ, इस अधिवेशन में "पाकिस्तान प्रस्ताव" पारित किया गया।
- युद्ध में भारत का सहयोग प्राप्त करने के लिए लॉर्ड लिनलिथगो ने 8 अगस्त, 1940 को एक घोषणा की जिसे "अगस्त प्रस्ताव" के नाम से जाना जाता है।
- अगस्त प्रस्ताव को पूर्णतः अस्वीकृत करने के पश्चात् कांग्रेस द्वारा "व्यक्तिगत सत्याग्रह" या "दिल्ली चलो सत्याग्रह" प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया।
- 17 अक्टूबर, 1940 को महात्मा गांधी ने विनोबा भावे को पहले सत्याग्रही के रूप में चुना, दूसरे सत्याग्रही पंडित जवाहर लाल नेहरू तथा तीसरे सत्याग्रही सरदार वल्लभ भाई पटेल चुने गये।

क्रिप्स मिशन 1942

- भारत में बढ़ रहे राजनीतिक गतिरोध को दूर करने के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल ने मार्च 1942 में एक मिशन भारत भेजा।
- ब्रिटिश संसद सदस्य तथा मजदूर नेता 'सर स्टैफोर्ड क्रिप्स' के नेतृत्व में यह मिशन भेजा गया था, इसलिए इसका नाम 'क्रिप्स मिशन' रखा गया।

भारत छोड़ो आन्दोलन- 1942

- 7 अगस्त, 1942 को बंबई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक मैदान में अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में कांग्रेस की वार्षिक बैठक हुई।
- इसी बैठक में नेहरू ने "भारत छोड़ों आंदोलन" प्रस्ताव पेश किया।
- भारत छोड़ो आन्दोलन का आलेख महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू एवं अबुल कलाम आजाद ने मिलकर तैयार किया था।
- 8 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन प्रस्ताव पारित कर दिया गया।
- इसी समय गांधी जी ने नारा दिया "करो या मरो"
- 9 अगस्त, 1942 को सुबह में सरकार ने "ऑपरेशन जीरो ऑवर" के तहत गांधी जी तथा अन्य शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया।

भारत छोड़ो आन्दोलन महत्वपूर्ण तथ्य

- इस आन्दोलन के दौरान तीन जगहों पर समानान्तर सरकारों की स्थापना की गई थी–
  (1) बलिया – चित्तू पांडेय के नेतृत्व में
  (2) तामलुक – यहाँ की सरकार को "जातीय सरकार" के नाम से जाना जाता था यह सरकार दिसंबर 1942 से सितंबर 1944 तक चली थी।
    - यहाँ की किसान विधवा मातंगिनी हजारा ने गोली लग जाने के बाद भी झंडे को ऊंचा रखा था इन्हें "बूढ़ी गांधी" भी कहा जाता है।
  (3) सतारा- सबसे लम्बे समय तक चलने वाली सरकार थी, यह 1945 तक कार्यरत रही। इसके नेता वाई.वी. चह्वाण थे।
- भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान महात्मा गाँधी के जीवनीकार लुई फिशर (अमेरिकी पत्रकार) उनके साथ थे।

गांधी इरविन समझौता

- गांधी और इरविन की लंबी वार्ता के पश्चात् 5 मार्च, 1931 को एक समझौता हुआ। जिसे दिल्ली पैक्ट (गांधी-इरविन समझौता) कहा जाता है।
- इस समझौते के फलस्वरूप कांग्रेस 'द्वितीय गोलमेज सम्मेलन' में भाग लेने के लिए राजी हो गई।

आजाद हिन्द फौज

- मोहन सिंह के नेतृत्व में मार्च 1942 में 'इण्डियन नेशनल आर्मी या आजाद हिन्द फौज' का गठन किया गया।
- 'इण्डियन नेशनल आर्मी' का विचार सूत्र ज्ञानी प्रीतम सिंह व फूजीवारा ने दिया। इसकी पहली डिवीजन का औपचारिक गठन 1 सितंबर, 1942 को किया गया। जिसका प्रथम सेनापति मोहन सिंह को बनाया गया।
- आजाद हिन्द फौज का गठन सिंगापुर द्वीप पर किया गया था।
- रास बिहारी बोस ने 4 जुलाई, 1943 को आजाद हिन्द फौज की कमान सुभाष चन्द्र बोस को सौंप दी।

सुभाष चन्द्र बोस संक्षिप्त परिचय

- सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक (उड़ीसा) में हुआ।
- 1920 में इन्होंने सिविल सेवा में चौथा स्थान प्राप्त किया लेकिन मन न लगने के कारण त्यागपत्र दे दिया।
- महात्मा गांधी की प्रेरणा से वर्ष 1921 में राष्ट्रीय कांग्रेस में सम्मिलित हुए।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

- देशबन्धु चितरंजन दास इसके राजनीतिक गुरु थे।
- वर्ष 1927 में इंडिपेण्डेन्स लीग का गठन किया।
- वर्ष 1939 में सुभाष चन्द्र बोस ने कांग्रेस की अध्यक्षता से त्यागपत्र देकर फॉरवर्ड ब्लाक का गठन किया।
- जर्मनी की जनता ने उन्हे 'नेताजी' के नाम से संबोधित किया।
- सुभाष चन्द्र बोस को 'देश नायक' रवीन्द्र नाथ टैगोर ने कहा है।
- महात्मा गांधी ने सुभाष चन्द्र बोस को 'देशभक्तों का देशभक्त' कहा है।

वेवेल योजना (1945)

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल के नेतृत्व की रूढ़िवादी सरकार भारत में संवैधानिक प्रश्न को हल करने के उद्देश्य से लॉर्ड वेवेल को भारत के नेताओं से विचार-विमर्श हेतु कहा।
- इस उद्देश्य से वायसराय लार्ड वेवेल ने 14 जून 1945 को एक योजना प्रस्तुत कि जिसे वेवेल योजना के नाम से जाना जाता है।

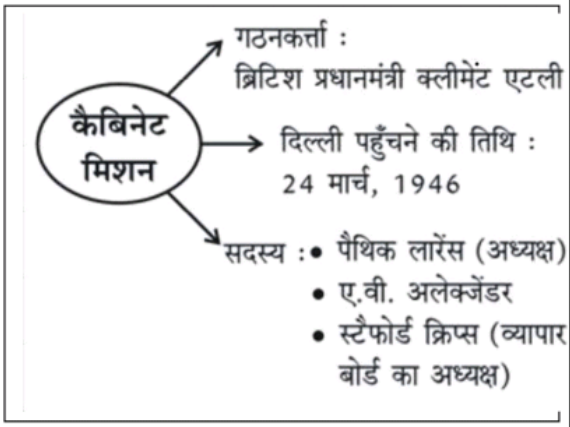

संविधान सभा का चुनाव

- वर्ष 1936 के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में सर्वप्रथम ''संविधान सभा'' का विचार प्रस्तुत किया गया था।
- जुलाई, 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के तहत संविधान सभा के चुनाव आयोजित किए गए।

चुनाव परिणाम	
कांग्रेस	208 सीट
मुस्लिम लीग	73 सीट
स्वतंत्र उम्मीदवार	15 सीट

प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस (16 अगस्त, 1946)

- 12 अगस्त, 1946 को वायसराय ने अंतरिम सरकार बनाने के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू को निमंत्रण भेजा, जिसे नेहरू ने स्वीकार कर लिया।
- मुस्लिम लीग ने जिन्ना के नेतृत्व में 16 अगस्त, 1946 को 'प्रत्यक्ष कार्यवाही' दिवस के रूप में मनाया।
- लीग की इस कार्यवाही में भयानक रक्तपात हुआ।
- महात्मा गांधी ने नोआखाली में शांति स्थापना हेतु पदयात्रा की

अन्तरिम सरकार का गठन

- पं. जवाहर लाल नेहरू ने 2 सितंबर, 1946 को ग्यारह अन्य सदस्यों के साथ अपने पद की शपथ ली।

अंतरिम सरकारः एक दृष्टि में	
पं जवाहरलाल नेहरू	उपाध्यक्ष कार्यकारी परिषद, विदेश मामले
बलदेव सिंह	रक्षा मंत्री
राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि मंत्री
सरदार पटेल	गृह, सूचना एवं प्रसारण विभाग एवं रियासत संबंधी मामले
जान मथाई	उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री
आई. आई. चुंदरीगर	वाणिज्य मंत्री
सी.एच. भाभा	कार्य, खान एवं बंदरगाह मंत्री
अब्दुल रब नश्तर	संचार मंत्री
गजनफर अली खान	स्वास्थ्य मंत्री
अरुणा आसफ अली	रेलवे मंत्री
राजगोपालाचारी	शिक्षा मंत्री
जगजीवन राम	श्रम मंत्री
लियाकत अली	वित्त मंत्री
जोगन्द्र नाथ मंडल	विधि मंत्री

एटली की घोषणा

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने 20 फरवरी, 1947 को हाउस ऑफ कामन्स में घोषणा की कि अंग्रेज जून, 1948 के पहले भारतीयों को सत्ता हस्तान्तरित कर देंगे।
- एटली ने लार्ड वेवल के स्थान पर लार्ड माउण्टबेटन को भारत का वायसराय नियुक्त किया।

लार्ड माउण्टबेटन योजना

- 24 मार्च, 1947 को लार्ड माउण्टबेटन भारत के 34वें गवर्नर जनरल बनकर आये।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

- भारतीय नेताओं की स्वीकृति के बाद ब्रिटिश सरकार ने 3 जून, 1947 को भारत विभाजन योजना प्रस्तुत की।

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

- 4 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वाधीनता विधेयक पेश किया गया।
- विधेयक को 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृति मिली।
- इसके अनुसार देश को 15 अगस्त, 1947 को दो डोमिनियन भारत और पाकिस्तान की स्थापना की जाएगी।
- 14 अगस्त को पाकिस्तान और 15 अगस्त को भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत के विभाजन के समय कांग्रेस के अध्यक्ष आचार्य जे. बी. कृपलानी थे।

आधुनिक भारत की पुस्तकें

पुस्तकें	लेखक
यंग इण्डिया, हिन्द स्वराज, गोखले माई पॉलिटिकल गुरु एवं माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रुथ	महात्मा गांधी
इण्डिया विन्स फ्रीडम	अब्दुल कलाम आजाद
कॉमनवील तथा न्यू इण्डिया	ऐनी बेसेंट
द लाइफ डिवाइन	अरबिंद घोष
बापू : माई मदर	मनुबहन गांधी
आनंद मठ, दुर्गेश नंदिनी	बंकिम चन्द्र चटर्जी
गीता रहस्य, केसरी तथा मराठा	बाल गंगाधर तिलक
दी मैन हू डिवाइडेड इण्डिया	डॉ. रफीक जकारिया
इण्डिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एंड आफ्टर	दुर्गादास
फ्रीडम एट मिडनाइट	लैरी कॉलिंस एंड डोमिनिक लेपियर
ए नेशन इन मेकिंग	सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
द स्टोरी ऑफ माय, डिपोर्टेशन, अनहैप्पी इण्डिया	लाला लाजपत राय
इण्डिया अनरेस्ट	वैलेंटाइन शिरोल
द इण्डिया स्ट्रगल	सुभाष चन्द्र बोस
अवर इण्डियन मुसलमान्स	डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर
प्रीसेप्ट ऑफ जीसस	राजा राममोहन राय
दी इण्डियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस	वी.डी. सावरकर
सिविल रिबेलियंस इन दी इण्डियन म्यूटिनीज	एस.बी. चौधरी
अवध इन रिवोल्ट	रुद्रांगशू मुखर्जी
दि सिपॉय म्यूटिनी एंड द रिवोल्ट ऑफ 1857	आर.सी. मजूमदार
द ग्रेड रिबेलियन	अशोक मेहता
तहजीब-उल-अखलक	सैय्यद अहमद खाँ
स्प्रिंगिंग टाइगर	ह्यूज टोये
टुवर्ड्स स्ट्रगल	जय प्रकाश नारायण
इण्डिया डिवाइडेड	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
बंदी जीवन	शचीन्द्र नाथ सान्याल
मैं अनीश्वरवादी क्यों हूँ, एन इंट्रोडक्शन टू दी ड्रीमलैंड	भगत सिंह
दी फिलॉस्फी ऑफ बॉम्ब	भगवती चरण वोहरा
अनाइहिलेशन ऑफ कास्ट	बी.आर. अम्बेडकर
द लाइफ ऑफ महात्मा गाँधी	लुई फिशर
गिल्टी मेन ऑफ इंडियाज पार्टीशन	डॉ. राम मनोहर लोहिया
अमृत बाजार पत्रिका	मोती लाल घोष
बंगाली (समाचार पत्र)	सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
ग्लिमप्सेज ऑफ दि वर्ल्ड हिस्ट्री	जवाहर लाल नेहरू
द ब्रोकेन विंग	सरोजनी नायडू
कैप्टिव लेडी	माइकेल मधुसूदन दत्त
टेररिस्ट	दिलीप मुखर्जी
इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस	बिपिन चन्द्र
मदर इण्डिया	कैथरीन मेयो

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

प्रतिदिन Rajasthan GK क्लास देखने के लिए Subscribe करें

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN